Topic : विपिन चंद्र पाल

Date :

Class :

# विपिन चंद्र पाल

- विपिन चंद्र पाल का जन्म 1858 ई. में हबीबगंज (वर्तमान बांग्लादेश में) हुआ था।
- ब्रह्म समाज नेता केशवचन्द्र सेन के व्याख्यान सुनकर वे सनातन धर्म छोड़कर ब्रह्म समाजी बन गए।
- इनके पिता रामचन्द्र पाल व माता नारायणी थी।
- विपिन चन्द्र पाल राजगोपाल बसु व नवगोपाल मित्र से प्रभावित होकर राष्ट्रवाद में शामिल हुए।
- बंग भंग और स्वदेशी आंदोलन के जमाने में विपिन चन्द्र पाल ने बड़े जोरो से काम किया।
- भारतीय स्वाधीनता आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने में प्रमुख भूमिका निभाने वाली लाल-बाल-पाल की तिकड़ी में से एक विपिन चंद्र पाल राष्ट्रवादी नेता थे।
- इन्होंने इंग्लैण्ड में रह कर 'स्वराज्य' नामक एक पत्रिका निकाली।
- भारत में इन्होंने 'न्यू इंडिया' नाम से एक अंग्रेजी साप्ताहिक पत्रिका निकाली।
- परिदर्शक (साप्ताहिक) जो सिल्हट से छपती थी। इसके सहायक संपादक थे।

- इनकी अन्य पत्रिका वंदे मातरम (1906,07) तथा 'द हिन्दू रिव्यू (1913) थी।

विपिन चन्द्र पाल की प्रमुख रचनाएँ -

① इंडियन नैशनलिज्म
② स्वराज एंड द प्रेजेंट सिचुएशन
③ द बेसिस ऑफ रिफार्म
④ द न्यू स्पिरिट
⑤ स्टडीज इन हिन्दुइज्म
⑥ क्वीन विक्टोरिया - बायोग्राफी

- भारत मे क्रांतिकारी विचारधारा के जनक विपिन चन्द्र पाल 1886 ई. मे कांग्रेस के सदस्य बने।
- कांग्रेस के अधिवेशन (मद्रास, 1887) में भारतीय शस्त्र अधिनियम को निरस्त करने की मांग की।
- 1907 में अरविन्द घोष पर राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया और उन्हें गवाही के लिए बुलाया गया तो उन्होंने इसे मना करना उचित समझा। इसके लिए उन्हे 6 माह की सजा सुनाई गई।
- मदनलाल ढींगरा ने सन् 1909 में कर्जन वाइली की हत्या करने पर 'स्वराज्य' नामक पत्रिका का प्रकाशन बंद कर दिया।

Topic :

Date :

Class :

- विपिन चंद्र पाल ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की तुलना सर वाल्टर स्कॉट से की।

- इस तरह स्वतंत्र भारत का सपना लिए २० मई 1932 को विपिन चंद्र पाल का कोलकाता में निधन होगया।

- विपिन चंद्र पाल एक भारतीय क्रांतिकारी, शिक्षक, पत्रकार व लेखक थे।

- विपिन चंद्र पाल को भारतीय में क्रांतिकारी विचारों का जनक भी माना जाता है।

- सन् 1921 में गांधीजी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा था," आप के विचार तार्किक नही बल्कि जादू पर आधारित हैं।"

ACADEMY